प्रभात खबर - 21.10.18

केंद्रीय विवि में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 23 से

रांची. केंद्रीय विवि झारखंड के ब्रांबे परिसर में 23 अक्तूबर से 26 अक्तूबर तक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है. इसका विषय न्यूक्लियर, पार्टिकल एंड एक्सिलिरेटर फिजिक्स रखा गया है. भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार में शोधकर्ता सहित इससे जुड़े लोगों को नया प्लेटफॉर्म मिलेगा. इसमें देश-विदेश से आ रहे लगभग 150 विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शिक्षाविद और शोधकर्ता से यहां के विद्यार्थी व शिक्षक रू-ब-रू हो सकेंगे. यह जानकारी पीआरओ नरेंद्र कुमार ने दी.

23.10.18 हिन्दुस्तान

भौतिकी का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से

सीयूजे

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में 'परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी' विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 23-26 अक्तूबर को किया गया है। इस सम्मेलन का उद्देश्य परमाणु, कण और त्वरक में सभी पहलुओं और अनुप्रयोगों में हाल के शोध परिणामों, विकास गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत करना, देश-विदेश के प्रयोगकर्ताओं व सैद्धांतिक शोधकर्ताओं को एक मंच प्रदान करना है।

सम्मेलन में भारत, रूस, जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड से अंतरराष्ट्रीय ख्याति के वैज्ञानिक/प्रोफेसर/शोधकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी और उनके संबंधित विषयों जैसे परमाणु प्रतिक्रियाएं, अति-भारी तत्व, उत्पादन और रेडियोधर्मी बीम, परमाणु संरचना, परमाणु खगोल भौतिकी, उच्च ऊर्जा कण भौतिकी के उपयोग से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी।

कण त्वरक, परमाणु भौतिकी के लिए उपकरण, परमाणु और कण भौतिकी अनुसंधान के लिए नई सुविधाओं आदि पर भी विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। साथ ही, भविष्य की चुनौतियों पर भी वैचारिक आदान-प्रदान होंगे।

प्रभात खबर - 24.10

मेडिकल साइंस में न्यूक्लियर की भूमिका के बारे में दी गयी जानकारी

सीयूजे में न्यूक्लियर, पार्टिकल व एक्सलरेटर फिजिक्स विषय पर आयोजित सेमिनार में शामिल अतिथि.

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड के फिजिक्स विभाग द्वारा न्यूक्लियर, पार्टिकल व एक्सलरेटर फिजिक्स विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया. मंगलवार से शुरू हुआ यह सेमिनार 26 अक्तूबर तक चलेगा. इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य वैज्ञानिक, शोधार्थी व शिक्षा जगत के लोगों को मंच प्रदान करना है, जिसकी मदद से परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वे सहयोग प्रदान कर उसे बढ़ाने की दिशा में काम करें. सेमिनार की शुरुआत में वीसी प्रो नंदकुमार इंदु ने न्यूक्लियर पार्टिकल्स व न्यूक्लियर फिजिक्स की यात्रा से अवगत कराया. उन्होंने मेडिकल साइंस व ऑस्ट्रोफिजिक्स के क्षेत्र में न्यूक्लियर की भूमिका की जानकारी दी. मौके पर प्रो सारंग मेडकर, बार्क मुंबई के पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश, आइयूएसी नयी दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो डीके श्रीवास्तव आदि मौजूद थे.

हिन्दुस्तान - 24.10

खगोल भौतिकी के क्षेत्र में परमाणु प्रौद्योगिकी उपयोगी

रांची | प्रमुख संवाददाता

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में परमाणु, कण और त्वरक भौतिकी (आईसीएनपीएपी-2018) पर चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत मंगलवार को हुई।

विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में देश-विदेश से जुटे वैज्ञानिक व शोधार्थी जुटे हैं। कुलपति सह सम्मेलन के मुख्य संरक्षक प्रो नंद कुमार यादव इंदु, सम्मेलन के संरक्षक और अध्यक्ष प्रो सारंग मेडेकर ने इसका उद्घाटन किया।

सम्मेलन में बीएआरसी, मुंबई पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश, आईयूएसी नई दिल्ली पूर्व निदेशक प्रो अमित रॉय और वीईसीसी कोलकाता के पूर्व निदेशक प्रो डीके श्रीवास्तव, रूस के प्रो एके नासिरोव व डॉ धर्मेंद्र सिंह मौजूद थे।

प्रो सरंग मेदकर ने सम्मेलन के उद्देश्यों और दायरे पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के वर्तमान परिदृश्य विशेषज्ञों की परिचर्चा और विचार महत्वपूर्ण साबित होंगे। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव इंदु ने परमाणु और कण भौतिकी के विकास की यात्रा को बताया। इस क्रम में उन्होंने इसकी शुरुआत के साथ परमाणु भौतिकी के महत्व पर चर्चा की। कहा कि चिकित्सा विज्ञान और खगोल भौतिकी के क्षेत्र में परमाणु आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

प्रो एस कैलाश, प्रो अमित रॉय और प्रो डीके श्रीवास्तव ने सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए परमाणु विज्ञान और त्वरक भौतिकी के क्षेत्र में अपने विचार साझा किए।

बीआरसी, मुंबई के पूर्व निदेशक प्रो एस कैलाश ने आवधिक सारणी में तत्वों के विकास और इसकी व्यवस्था की नियमित प्रगति पर चर्चा की। सम्मेलन में देश-विदेश से जुटे वैज्ञानिक, प्रोफेसर और शोधकर्ता हिस्सा ले रहे हैं।

सीयूजे में मंगलवार को चार दिनी सम्मेलन में मौजूद वैज्ञानिक और शोधार्थी।

शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

चार दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जर्मनी से आए प्रो पी एगेलहोफ, रूस से आए प्रो एके नासिरोव, फ्रांस से आए प्रो गिल्स डी फ्रांस और पोलैंड से आए प्रो मोस्कल पावेल व प्रो एरिक केजरविंसजी ने हेवी पार्टिकल (भारी कण) और उनकी प्रतिक्रिया संबंधित प्रक्रिया के संश्लेषण पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।